विद्या भारती संकुल संवाद

मार्च 2025

फाल्गुन - चैत्र । विक्रमी सं. 2081

राष्ट्र निर्माण की दिशा में नए संकल्प

कम दाम में शिक्षा के साथ संस्कार दे रही विद्या भारती

अमेरिकी पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन के साथ पॉडकास्ट में बोले पीएम मोदी

विद्या भारती संकुल संवाद परिवार की ओर से सभी को भारतीय नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनाएँ 🙏🏻🙏🏻

अखिल भारतीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग

राष्ट्र निर्माण की दिशा में नए संकल्प

भोपाल। विद्या भारती का पांच दिवसीय अखिल भारतीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग 3 से 8 मार्च 2025 तक शारदा विहार आवासीय विद्यापीठ भोपाल में सम्पन्न हुआ। वर्ग का उद्घाटन करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प. पू. सरसंघचालक मा. डॉ. मोहन भागवत जी ने युगानुकूल परिवर्तन और हमारी दृष्टि, पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं की भूमिका, वर्तमान चुनौतियां और समाधान व कार्यकर्ताओं का स्वविकास आदि विषयों पर मार्गदर्शन किया। वर्ग में विचार, व्यवहार एवं संगठनात्मक कार्यशैली पर गहन मंथन हुआ। विभिन्न सत्रों में शिक्षा, समाज एवं राष्ट्रहित से जुड़े विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। अभ्यास वर्ग के माध्यम से कार्यकर्ताओं को नवीन दृष्टिकोण, प्रभावी रणनीति और समर्पण भाव के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की गई।

समापन अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भगवान राम और लक्ष्मण पर महर्षि विश्वामित्र के विश्वास का उदाहरण देते हुए कहा कि महर्षि ने असुरों के संहार के लिए राजा दशरथ से विशाल सेना नहीं मांगी, बल्कि भगवान राम द्वारा गुरुकुल में प्राप्त शिक्षा और संस्कारों पर भरोसा जताया।

विद्या भारती के गुरुकुलों और सरस्वती शिशु मंदिरों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि यहां से अध्ययन करने वाले विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में उदाहरण स्थापित कर रहे हैं।

संगठनात्मक दायित्व एवं तकनीकी युग की चुनौतियां

संघ के अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य श्री सुरेश जी सोनी ने कहा कि विद्या भारती के पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं की भूमिका केवल व्यक्तिगत या सांगठनिक स्तर तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि समाज और विशेष रूप से शिक्षा जगत में प्रभावी हस्तक्षेप आवश्यक है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के बढ़ते प्रभाव और उससे उत्पन्न चुनौतियों पर चर्चा करते हुए कहा कि तकनीक की प्रगति से मशीनों की क्षमता बढ़ रही है, लेकिन इसके दुष्प्रभावों के चलते मानव की शारीरिक एवं मानसिक क्षमताएं प्रभावित हो रही हैं। आज व्यक्ति यात्रा भले ही विमान, बस या कार में कर रहा हो, लेकिन उसका मन वर्चुअल दुनिया में विचरण कर रहा होता है। यह प्रवृत्ति धीरे-धीरे व्यक्ति को वास्तविकता से दूर ले जा रही है, जिससे समाज और पारिवारिक जीवन पर प्रभाव पड़ रहा है। तकनीक हमें जोड़ सकती है, लेकिन संबंध स्थापित नहीं कर सकती। उन्होंने आह्वान किया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग अवश्य करें, लेकिन ध्यान रखें कि यह हमारी मौलिक बुद्धिमत्ता को कमजोर न करे। तकनीक को साधन बनाएं, साध्य नहीं।

आगे जारी ...

वर्ग में संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल जी, विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोविंद चंद्र महंत जी, सहसंगठन मंत्री श्रीराम आरावकर जी, सहसंगठन मंत्री यतीन्द्र जी, चिन्मय मिशन के प्रमुख पूज्य स्वामी मित्रानंद जी एवं एनसीईआरटी के निदेशक डॉ. दिनेश प्रसाद सकलानी जी, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के भारतीय ज्ञान परंपरा प्रभाग के प्रमुख डॉ. जीएसएन मूर्ति जी, भारतीय भाषा समिति के अध्यक्ष पद्मश्री चमू कृष्ण शास्त्री जी, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड के निदेशक (कौशल विकास) डॉ. विश्वजीत साहा जी आदि ने भी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया।

06 मार्च 2025 को अखिल भारतीय पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग भोपाल में आंशिक परिवर्तन कर 'हमारा लक्ष्य' का विमोचन माननीय सह सरकार्यवाह श्री कृष्ण गोपाल जी द्वारा किया गया।

अभ्यास वर्ग में 599 पूर्णकालिक कार्यकर्ता, 23 केंद्रीय पदाधिकारी और व्यवस्था में सहयोगी 245 से अधिक कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।
अभ्यास वर्ग में शारदा विहार भोपाल के भैय्याओं ने घोष और बेग पाइपर बैंड का प्रदर्शन किया।

विशेष प्रदर्शनियों का आयोजन

पूर्णकालिक कार्यकर्ता अभ्यास वर्ग के दौरान आयोजित तीन विशेष प्रदर्शनियों संस्कृति, डिजिटल उपलब्धियाँ और शिशु वाटिका का उद्घाटन मध्य प्रदेश के सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग जी ने किया। माननीय मंत्री ने विद्या भारती के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सरस्वती शिशु मंदिर केवल शिक्षा प्रदान करने का कार्य नहीं कर रहे, बल्कि संस्कार शिक्षा केंद्र के रूप में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

संस्कृति प्रदर्शनी में -

मध्य प्रदेश के महापुरुषों एवं ऐतिहासिक स्थलों को दर्शाया गया, जो राज्य की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को सामने लाती है।

उपलब्धियां-

विद्या भारती की विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियों को अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से प्रदर्शित किया गया।

शिशु वाटिका–

इसमें शिक्षा के साथ संस्कारों को जोड़ने पर विशेष बल दिया गया। इस प्रदर्शनी में 12 प्रमुख शैक्षिक व्यवस्थाओं को प्रदर्शित किया गया।

देश भर से आए विद्या भारती के पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं ने किया ग्राम जीवन का दर्शन

जनजाति बहुल 40 गांवों में पहुंचे देश भर से आए कार्यकर्ता

परम पूजनीय सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने किया सरस्वती विद्या मंदिर, वीरपुर सुपौल का उद्‌घाटन

विद्या भारती का उद्देश्य राष्ट्रभक्त नागरिकों का निर्माण: डॉ. मोहन भागवत

वीरपुर/सुपौल (उत्तर बिहार) | भारत-नेपाल सीमावर्ती क्षेत्र वीरपुर में विद्या भारती द्वारा स्थापित व लोक शिक्षा समिति, बिहार द्वारा संचालित सरस्वती विद्या मंदिर के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण 06 मार्च 2025 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प. पू. सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र के सैकड़ों गांवों से हजारों कार्यकर्त्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे जिन्होंने इस लोकार्पण कार्यक्रम को एक उत्सव का रूप दिया। विद्यालय भवन के लोकार्पण के पूर्व विद्यालय के छात्रों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया गया।

विद्या भारती का योगदान एवं शिक्षा का महत्व:-

सरस्वती विद्या मंदिर, वीरपुर के उद्घाटन समारोह में विद्या भारती उत्तर बिहार का वृत्त निवेदन लोक शिक्षा समिति, बिहार के प्रदेश मंत्री डॉ. सुबोध कुमार ने किया। पूज्य सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी के साथ मंच पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्र कार्यवाह डॉ. मोहन सिंह, विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष डॉ. ललन प्रसाद सिंह मौजूद थें।

इस अवसर पर डॉ. मोहन भागवत ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि आज का यह कार्यक्रम एक संकेत है कि अब दुर्भाग्य के दिन समाप्त होने वाले हैं। उन्होंने शिक्षा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण की दिशा में किए जा रहे हैं प्रयासों को रेखांकित करते हुए कहा कि किसी भी कार्य की सफलता के लिए विभिन्न स्तरों पर प्रयास आवश्यक होते हैं। डॉ. भागवत ने कहा कि लोक कल्याण की भावना से कार्य करना चाहिए और कार्य की सफलता के लिए पुरुषार्थ आवश्यक है। उन्होंने भाग्य को अनुकूल बनाने के लिए योग्य कर्ता बनने की आवश्यकता पर जोर दिया।

विद्या भारती के 21000 विद्यालयों का व्यापक योगदान:-

पूज्य सरसंघचालक जी ने अपने संबोधन में बताया कि विद्या भारती समाज के सहयोग से देश भर में 21000 से अधिक विद्यालय संचालित कर रही है, जिनमें समर्पित आचार्य-आचार्या परिश्रम कर शिक्षा का अलख जगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि विद्या भारती के विद्यालयों में छात्रों को यह भाव सिखाया जाता है कि मैं केवल अपने लिए नहीं बल्कि समाज और राष्ट्र के लिए भी उपयोगी बनूँ। उन्होंने भारत की शिक्षा प्रणाली पर चर्चा करते हुए कहा कि हमारे देश में शिक्षा को पैसों से नहीं तौला जाता, बल्कि मूल्य और संस्कारों के आधार पर परखा जाता है। मनुष्य सृष्टि का सबसे बुद्धिमान प्राणी है इसलिए हर व्यक्ति को शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है। शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्ति का माध्यम नहीं, बल्कि यह मनुष्य को बेहतर इंसान बनाती है।

पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भरता पर विशेष जोर:-

डॉ. मोहन भागवत जी ने अपने उद्बोधन में पर्यावरण और प्रगति के संतुलन की आवश्यकता पर भी ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि मनुष्य ने प्रगति तो कर ली है, लेकिन हमें यह भी देखना होगा कि हमारी उन्नति के कारण पर्यावरण को हानि न पहुंचे। उन्होंने कृषि में पारंपरिक तरीकों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि ऐसी खेती को अपनाना चाहिए जिससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति बनी रहे और दीर्घकालिक लाभ हो।

सुसंस्कारित बालकों के निर्माण पर विशेष बल:-

पूज्य सरसंघचालक जी ने कहा कि विद्या भारती का लक्ष्य केवल शिक्षित नागरिक तैयार करना नहीं बल्कि सुसंस्कारित, आत्मविश्वास से भरपूर और देश के प्रति

आगे जारी ...

समर्पित नागरिकों का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए राष्ट्र एवं विश्व कल्याण की भावना से कार्य करना आवश्यक है।

छात्रों के सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सबका मन मोहा:
सरस्वती विद्या मंदिर के उद्घाटन के अवसर पर उत्तर बिहार प्रांत के विभिन्न विद्या भारती विद्यालयों के छात्रों के द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रम ने समारोह स्थल पर उपस्थिति हजारों लोगों का मन मोह लिया।

हवन पूजन के साथ हुआ विद्यालय का लोकार्पण:
पूज्य सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी ने विद्यालय के नव निर्मित भवन के लोकार्पण के पहले हवन पूजन कर के लोकार्पण पट्टिका का अनावरण किया।

नेपाल से भी पधारें सैकड़ों कार्यकर्ता:-
विद्या भारती के आमंत्रण पर उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए पड़ोसी देश नेपाल से भी हिन्दू स्वयंसेवक संघ व पशुपति शिक्षा समिति से जुड़े सैकड़ों कार्यकर्ताओं की टोली भी समारोह में उपस्थित हुई।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने पॉडकास्ट में किया विद्या भारती के कार्य का उल्लेख

बहुत कम दाम में शिक्षा, संस्कारों को प्राथमिकता, जमीन से जुड़े लोग, पढ़ाई के साथ कुछ न कुछ हुनर सीखें, समाज पर बोझ न बनें, ऐसे बच्चे विद्या भारती के विद्यालयों में तैयार हो रहे हैं - प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी

16 मार्च, 2025, नई दिल्ली | अमेरिकी रिसर्च साइंटिस्ट और पॉडकास्टर लेक्स फ्रिडमैन के साथ पॉडकास्ट में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने कई विषयों पर विस्तार से चर्चा की और शासन, विकास, वैश्विक मामलों और भारत की प्रगति पर अंतर्दृष्टि साझा करते हुए एक स्पष्ट और आकर्षक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ स्वयंसेवकों ने शिक्षा में क्रांति लाने के लिए विद्या भारती की स्थापना की। मेरा मानना है कि इस पहल से करोड़ों छात्रों को लाभ मिला है, वे अत्यंत कम लागत पर शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। विद्या भारती के स्कूल संस्कारों को प्राथमिकता देते हैं। जमीन से जुड़े लोग, पढ़ाई के साथ कुछ न कुछ हुनर सीखें, समाज पर बोझ न बनें, ऐसे बच्चे विद्या भारती के विद्यालयों में तैयार हो रहे हैं।

विस्तार से सुनने के लिए नीचे दिए गए लिंक का प्रयोग कर सकते हैं :
https://www.youtube.com/live/n6T0WaElw54?si=w9ob60XmoQuwZ-04

चार दिवसीय पंचपदी अधिगम पद्धति कार्यशाला का आयोजन

जालंधर | विद्या भारती उत्तर क्षेत्र की चार दिवसीय पंचपदी अधिगम पद्धति कार्यशाला का आयोजन विद्याधाम जालंधर (पंजाब) में हुआ। कार्यशाला में उत्तर क्षेत्र के पाँच प्रांतों (दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल एवं जम्मू-कश्मीर व लद्दाख) के प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विद्या भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोविन्द चन्द्र महंत जी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अनुरूप विद्या भारती उत्तर क्षेत्र द्वारा शिशुवाटिका उत्साह अरुण, उत्साह प्रभात तथा उत्साह उदय, अभिभावक-अध्यापक मार्गदर्शिका का विमोचन किया गया।

विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद की बैठक

बेंगलुरु। बिहार, झारखंड के विभिन्न विद्या भारती विद्यालयों से पढ़ाई पूरी कर बेंगलुरु व आसपास के क्षेत्र में पढ़ाई करने वाले या सेवारत पूर्व छात्रों की बैठक बेंगलुरु गोल्फ क्लब में विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद् बिहार क्षेत्र इकाई के तत्वावधान में आयोजित की गई। इस अवसर पर अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोविंद चंद्र महंत ने कहा कि हमें सरस्वती शिशु मंदिरों से जुड़कर उनकी सहायता करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। विशिष्ट अतिथि श्री ख्यालीराम जी ने कहा कि हमें अपने पुराने विद्यालयों की यात्रा परिवार और मित्रों के साथ करनी चाहिए, ताकि वहां की संस्कृति और संस्कारों को पुनः अनुभव कर सकें और वर्तमान विद्यार्थियों को प्रेरित कर सकें। इस अवसर पर भाजपा झारखंड के संगठन मंत्री करमवीर जी, विद्या भारती पूर्व छात्र परिषद के क्षेत्र संयोजक आलोक तिवारी जी, कौशलेश जी और जय किशोर पाठक जी आदि उपस्थित रहे। बैठक में घोषणा की गई कि डॉ. विजय पांडेय जी बेंगलुरु और आसपास के क्षेत्र में परिषद के संयोजक की भूमिका निभाएंगे।

राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा

मलप्पुरम्। मलप्पुरम् जिले के कोट्टक्कल विद्या भवन विद्यालय में एनआईओएस प्राचार्यों के लिए दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत प्रधानाध्यापकों के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा और समग्र प्रगति कार्ड पर आधारित प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में मलप्पुरम और कोझिकोड जिलों के 48 प्रधानाध्यापकों ने भाग लिया। इस अवसर पर कोट्टक्कल विद्या भवन विद्यालय के प्रबंधक मुरलीधरन के., भारतीय विद्या निकेतन मलप्पुरम जिला सचिव एम. जयप्रकाश समन्वयक साजिथ चेल्लूर और राज्य समिति सदस्य श्री सी.पी.जी. राजगोपाल आदि उपस्थित रहे।

नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा कार्यशाला

राजस्थान | विद्या भारती की नैतिक एवं आध्यात्मिक शिक्षा पाठ्यक्रम निर्माण की अखिल भारतीय कार्यशाला का आयोजन आदर्श विद्या मन्दिर आबू पर्वत, राजस्थान में 24 से 27 मार्च 2025 तक किया गया।

भारतीय ज्ञान परंपरा के आयाम एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 संगोष्ठी

जीवन दर्शन और शिक्षा का दर्शन समान हो- अवनीश जी

मेरठ। आईआईएमटी विश्वविद्यालय मेरठ में कॉलेज ऑफ एजुकेशन की ओर से "भारतीय ज्ञान परंपरा के आयाम एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020" पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि विद्या भारती के राष्ट्रीय महामंत्री श्री अवनीश जी भटनागर ने कहा कि किसी भी देश में जीवन दर्शन और शिक्षा का दर्शन समान होना चाहिए। इसके साथ ही शिक्षा जीवन की चुनौतियों का सामना करने में समर्थ बनाने वाली होनी चाहिए। अवनीश जी ने भारतीय ज्ञान परंपरा में पंचकोशीय विकास की अवधारणा स्पष्ट करते हुए व्यक्तित्व के समग्र विकास पर जोर दिया।

जागरुकता कार्यक्रम

सिक्किम। विद्या भारती सिक्किम अन्तर्गत तादोग, गान्तोक के सरस्वती विद्या निकेतन में 17 मार्च 2025 को स्वास्थ्य विभाग, सिक्किम सरकार की ओर से जागरणमूलक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विभाग की निदेशक अनिता भोटिया, वरिष्ठ प्रचारक, श्री लक्ष्मीनारायण भाला, प्रान्त महामंत्री विजय कुमार शर्मा, संयोजक मोहन शर्मा, प्रान्त के पूर्व अध्यक्ष श्री छुलटिम भोटिया आदि उपस्थिति रहे।

पूर्व छात्र बैठक

भुवनेश्वर। विद्या भारती, शिक्षा विकास समिति, ओडिशा के पूर्व छात्रों की बैठक भगवद्गीता सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, नयापल्ली, भुवनेश्वर में आयोजित की गई। विद्या भारती पूर्व क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. आनंद राव पारधी जी, शिक्षा विकास समिति, ओडिशा के संगठन मंत्री तारकदास सरकार जी और पूर्व छात्र परिषद के पालक कार्यकर्ता सत्यनारायण पट्टनायक जी आदि ने पूर्व छात्रों को सामुदायिक सेवा के लिए स्वयं को समर्पित करने को प्रेरित किया। बैठक में ओडिशा के सभी जिलों से 50 पूर्व छात्रों ने भाग लिया।

विद्यालय का निरीक्षण

सिक्किम| विद्या भारती पूर्व क्षेत्र के संगठन मंत्री डॉ. आनन्द राव जी एवं सह संगठन मंत्री पार्थ घोष जी का सिक्किम में 24-27 मार्च को प्रवास रहा। इस दौरान सरस्वती विद्या निकेतन, मालबासे-नामंफिग, दक्षिण सिक्किम में परिचयात्मक कार्यक्रम और सरस्वती विद्या निकेतन पाचेखानी (सिक्किम) का निरीक्षण किया। इस दौरान प्रान्त अध्यक्ष चन्द्र कुमार राई, प्रान्त उपाध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल एवं महामंत्री विजय कुमार शर्मा, कार्यकारिणी सदस्य श्री खेमराज शर्मा एवं प्रान्त संयोजक श्री मोहन शर्मा आदि मौजूद रहे।

राज्यपाल द्वारा विद्यालय अवलोकन

सिलीगुडी | भारत-नेपाल सीमांत क्षेत्र सिलीगुडी के पास पानीटंकी अन्तर्गत 41 BN SSB BOP का अवलोकन पश्चिम बंगाल के राज्यपाल डॉ. सी. वी. आनंद बोस ने किया। SSB द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में विद्या भारती उत्तर बंग के शारदा विद्या मन्दिर नक्सलबाड़ी के भैया-बहनों ने गीत-नृत्य प्रस्तुत किया। इस क्षेत्र में विद्या मन्दिर की ओर से शिक्षा के साथ सेवा कार्य भी चलाए जा रहे हैं। इस अवसर पर राज्यपाल महोदय को कुछ साहित्य भी भेंट किया गया।

डॉक्टरों के लिए आयोजित जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित किया

तेलंगाना | विद्या भारती दक्षिण मध्य क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री लिंगम सुधाकर रेड्डी जी ने मंचिरयाला (तेलंगाना) में डॉक्टरों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

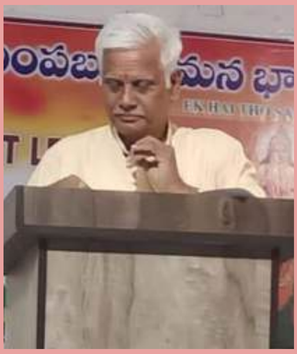

ई-पत्रिका का विमोचन

बिहार | भारतीय शिक्षा समिति बिहार की त्रैमासिक ई-पत्रिका का विमोचन पूज्य तपस्वी श्री जगजीवन जी महाराज सरस्वती विद्या मंदिर, राजगीर में अखिल भारतीय संगठन मंत्री श्री गोविन्द चन्द्र महंत जी, क्षेत्रीय संगठन मंत्री बिहार क्षेत्र ख्यालीराम जी, प्रदेश सचिव भारतीय शिक्षा समिति बिहार एवं शिशु शिक्षा समिति बिहार श्री प्रदीप कुमार कुशवाहा द्वारा किया गया।

पूर्व छात्रों से संवाद

भोपाल | विद्या भारती मध्य भारत प्रान्त भोपाल महानगर में विद्या भारती के पूर्व छात्रों के साथ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह माननीय डॉ. कृष्ण गोपाल जी ने शारदा विहार परिसर में संवाद किया।

आशीर्वाद लेने की प्रथा

बसारा तेलंगाना क्षेत्र का प्रसिद्ध तीर्थस्थल पवित्र गोदावरी नदी के तट पर श्री सरस्वती देवी का मंदिर है। सरस्वती शिशु मंदिर के छात्रों के लिए कक्षा 10 की शुरुआत में बसारा जाकर श्री सरस्वती माता का आशीर्वाद लेने की प्रथा है।

छात्रवृत्ति के लिए चयन

श्री सरस्वती विद्या मंदिर, भारतीय विद्या निकेतन द्वारा संचालित, करिकोडे पी.ओ. पेरुवा कोट्टायम जिला के श्री सरस्वती विद्या मंदिर करिकोडे की अवनी अनिल और शिवानंदा शिवरामन को शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के लिए केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली की ओर से प्रदान की जाने वाली प्रतिष्ठित छात्रवृत्ति के लिए चयनित किया गया है।

पूर्व छात्रा पार्वती को अंतरराष्ट्रीय सम्मान

बालिका आदर्श विद्या मंदिर, शास्त्रीनगर, जोधपुर की पूर्व छात्रा सुश्री पार्वती जांगिड़ सुथार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में जारी विश्व की टॉप 100 असाधारण चेंजमेकर महिलाओं की सूची में वैश्विक तीसरी रैंक मिली है।

पूर्व छात्रा पार्वती को इस लिस्ट में सबसे कम उम्र की महिला होने का गौरव प्राप्त हुआ है। इसके अलावा उन्हें पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और बलोचिस्तान में पाकिस्तानी सेना द्वारा किए जा रहे उत्पीड़न, नरसंहार के विरुद्ध विश्व भर में आवाज उठाने के लिए बलोचिस्तान का सर्वोच्च सम्मान "अवार्ड ऑफ़ बलोची दस्तार" प्रदान किया गया है।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन

जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर, नेहरू नगर, महात्मा गांधी मार्ग, नई दिल्ली - 110065

@VidyaBharatiIN

www.vidyabharti.net www.vidyabharatisamvad.com

Email : vbabss@yahoo.com | vbsamvad@gmail.com

Contact Us : 91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126